भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4075

जिसका उत्तर 18 मार्च, 2020 को दिया जाना है।

28 फाल्गुन, 1941 (शक)

डिजिटल शिक्षा हेतु प्रशिक्षण केन्द्र

4075. श्रीमती चिंता अनुराधा :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने गरीब लोगों को डिजिटल शिक्षा प्रदान करने हेतु विभिन्न जिलों और राज्यों में प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ऐसे कितने केन्द्र स्थापित किए गए हैं; और

(ख) क्या सरकार का देश के विशेषकर आंध्र प्रदेश के गरीब लोगों को नि:शुल्क वाई-फाई सुविधा प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री संजय धोत्रे)

(क): गरीब लोगों सहित देश के नागरिकों के लिए डिजिटल शिक्षा/साक्षरता प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) मंत्रालय द्वारा शुरू की गई प्रमुख पहलें निम्नानुसार हैं: -

(i) राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.), एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था अपने विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित 42 केंद्रों/विस्तार केंद्रों के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), इलेक्ट्रॉनिकी, संचार प्रौद्योगिकी और संबंधित कार्यक्षेत्रों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास संबंधी कार्यों में सक्रिय रूप से में लगी हुई है। यह औपचारिक क्षेत्रों के साथ-साथ अनौपचारिक क्षेत्रों दोनों में पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है और राष्ट्रीय परीक्षा निकायों में से एक है जो अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए संस्थानों / संगठनों को मान्यता प्रदान करते हैं। नाइलिट डीओईएसीसी योजना के अंतर्गत ओ/ए/बी/सी स्तर के पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण के लिए 924 मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थानों के नेटवर्क से जुड़ा हुआ है और साथ ही विभिन्न स्तरों के डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण में लगे 10,246 सुविधा केंद्रों के माध्यम से भी जुड़ा है। पिछले तीन वर्षों के दौरान स्थापित किए नाइलिट के राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार के विवरण **अनुबंध-I** में दिए गए हैं।

(ii) सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज़ इंडिया लिमिटेड (सीएससी-एसपीवी) की स्थापना कंपनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत एक विशेष प्रयोजन वाहन के रूप में की गई है। सीएससी-एसपीवी प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) और डिजिटल गाँव सहित सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए कार्यान्वयन एजेंसी है। सीएससी-एसपीवी ने ग्राम स्तरीय उद्यामियों (वीएलई) के माध्यम से ग्रामीण और शहरी भारत में जनता को शिक्षा और कौशल-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सीएससी अकादमियों की भी स्थापना की है। पीएमजीदिशा योजना का मुख्य उद्देश्य राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में छह करोड़ ग्रामीण परिवारों (प्रति परिवार एक व्यक्ति) को डिजिटल रूप से साक्षर बनाना है। डिजिटल गांव परियोजना का उद्देश्य प्रति राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र-वार प्रत्येक जिले में कम से कम एक गांव के साथ 800 ग्राम पंचायतों (जीपी)/गांवों को शामिल करना है। डिजिटल गांव परियोजना के उद्देश्यों में अन्य बातों के साथ-साथ आईटी प्रणालियों पर जागरूकता पैदा करना और क्षमता निर्माण गतिविधियों का संचालन करना शामिल है। पीएमजीदिशा, डिजिटल गांव और सीएससी अकादमियों के अंतर्गत प्रशिक्षण केन्द्रों के राज्य-वर विवरण **अनुबंध- II** में दिए गए हैं।

(ख) : दूरसंचार विभाग देश में सभी ग्राम पंचायतों (लगभग 2,50,000) को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए चरणबद्ध तरीके से भारतनेट परियोजना कार्यान्वित कर रहा है। भारतनेट परियोजना के भाग के रूप में सभी ग्राम पंचायतों (जीपी) में वाई-फाई या किसी अन्य उपयुक्त ब्रॉडबैंड एक्सेस तकनीक के माध्यम से अंतिम मील तक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जानी है। भारतनेट के पहले चरण के तहत शामिल की गई 1.23 लाख ग्राम पंचायतों (जीपी) (लगभग) के लिए वाई-फाई सेवाओं का प्रावधान करने का कार्य (राजस्थान में 10,000 ग्राम पंचायतों के लिए) राजस्थान सरकार को सौंपा गया है और आंध्र प्रदेश में 1400 से अधिक ग्राम पंचायतों सहित शेष ग्राम पंचायतों का कार्य सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज़ इंडिया लिमिटेड को सौंपा गया है। वर्तमान में, ये वाई-फाई सेवाएं मुफ्त प्रदान की जा रही हैं।

******

अनुबंध-I

पिछले 3 वर्षों के दौरान नाइलिट के अपने केंद्रों के संवर्द्धन का वर्षवार विवरण : -

वित्तीय वर्ष	केंद्रों की संख्या	स्थान/राज्य
2017-18	2	पाली (राजस्थान), हरिद्वार (उत्तराखंड)
2018-19	4	लखनपुरा (बिहार), माजुली (असम), मंडी (हिमाचल प्रदेश), तेजू (अरुणाचल प्रदेश)
2019-20	शून्य	लागू नहीं

*****

अनुबंध-II

सीएससी ई - गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के संबंध में राज्य-वार विवरण : -

1. **पीएमजीदिशा के तहत प्रशिक्षण केंद्र** :

क्र. सं.	राज्य का नाम	2017-18	2018-19	2019-20
1	अंडमान और निकोबार इस्ला।	7	25	19
2	आंध्र प्रदेश	3501	1,452	4654
3	अरुणाचल प्रदेश	45	29	188
4	असम	2131	1,653	3311
5	बिहार	5319	3,807	19,657
6	चंडीगढ़	4	1	99
7	छत्तीसगढ़	6102	1,751	2,958
8	दादरा और नगर हवेली	1	2	5
9	दमन और दीव	3	7	1
10	दिल्ली	52	5	5
1 1	गोवा	12	24	9
12	गुजरात	3774	1,275	1,425
13	हरियाणा	4384	2,463	1,070
14	हिमाचल प्रदेश	1,510	518	441
15	जम्मू और कश्मीर	1415	486	196
16	झारखंड	4,896	862	1,106
17	कर्नाटक	1,367	1,280	1438
18	केरल	621	349	215
19	लद्दाख	13	1	-
20	लक्षद्वीप	-	2	1
21	मध्य प्रदेश	7299	4,150	2,366
22	महाराष्ट्र	5353	6147	9866
23	मणिपुर	176	24	19
24	मेघालय	151	271	93
25	मिजोरम	27	35	55
26	नगालैंड	45	33	32
27	ओडिशा	7289	1,177	903
28	पुडुचेरी	89	8	84
29	पंजाब	3356	3,104	1,303
30	राजस्थान	5221	2,597	1,041
31	सिक्किम	9	6	9
32	तमिलनाडु	2989	2,022	543
33	तेलंगाना	2,055	671	959
34	त्रिपुरा	214	284	153
35	उत्तर प्रदेश	18,269	10,483	11,521
36	उत्तराखंड	1,514	749	1,398
37	पश्चिम बंगाल	3,329	1,122	1,751
कुल योग		**92,542**	**48,875**	**68,894**

*****

2. **सीएससी अकादमी** :

13.03.2020 को पंजीकृत सीएससी अकादमियों की राज्यवार गणना		
क्र.सं.	**राज्य**	**गणना**
1	आंध्र प्रदेश	83
2	अरुणाचल प्रदेश	1
3	असम	126
4	बिहार	272
5	छत्तीसगढ़	173
6	दिल्ली	20
7	गुजरात	171
8	हरियाणा	91
9	हिमाचल प्रदेश	79
10	जम्मू और कश्मीर	57
11	झारखंड	223
12	कर्नाटक	151
13	केरल	53
14	मध्य प्रदेश	315
15	महाराष्ट्र	356
16	मणिपुर	8
17	मेघालय	12
18	मिजोरम	3
19	नगालैंड	2
20	ओडिशा	316
21	पंजाब	105
22	राजस्थान	151
23	तमिलनाडु	121
24	तेलंगाना	48
25	त्रिपुरा	1
26	उत्तर प्रदेश	931
27	उत्तराखंड	39
28	पश्चिम बंगाल	213
कुल योग		**4121**

*****

3. **डिजिटल गांव** :

डिजिटल गांवों का राज्य-वार डेटा		
क्र.सं.	**राज्य / संघ राज्य क्षेत्र**	**गिनती**
1	अंडमान निकोबार	1
2	आंध्र प्रदेश	31
3	अरुणाचल प्रदेश	18
4	असम	33
5	बिहार	39
6	छत्तीसगढ़	46
7	दादर नगर हवेली	1
8	दमन और दीव	2
9	गोवा	2
10	गुजरात	34
11	हरियाणा	22
12	हिमाचल प्रदेश	12
13	जम्मू और कश्मीर	22
14	झारखंड	27
15	कर्नाटक	32
16	केरल	14
17	लक्षद्वीप	1
18	मध्य प्रदेश	53
19	महाराष्ट्र	45
20	मणिपुर	15
21	मेघालय	11
22	मिजोरम	8
23	नगालैंड	11
24	ओडिशा	30
25	पुडुचेरी	4
26	पंजाब	23
27	राजस्थान	33
28	सिक्किम	4
29	तमिलनाडु	42
30	तेलंगाना	31
31	त्रिपुरा	8
32	उत्तर प्रदेश	103
33	उत्तराखंड	15
34	पश्चिम बंगाल	24
कुल योग		**797**

*****